सृजक–समूह, देवघर

वार्षिक प्रतिवेदन वर्ष 2022–23

सृजक–समूह झारखण्ड सरकार से संस्था निबंधन अधिनियम (21) 1860 के अन्तर्गत निबंधित गैरसरकारी संगठन है। संस्था ज्वलंत सामाजिक समस्याओं के समाधान हेतु हमेशा समर्पित भाव से प्रयासरत रहती है। संस्था वित्तीय वर्ष 2022–23 में निम्नलिखित कार्यक्रमों को सम्पादित करने का प्रयास किया है:–

1) **व्यसनियों का एकीकृत पुनर्वास केन्द्र :–** संस्था द्वारा सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली के सहयोग से पन्द्रह शैया का व्यसनियों के एकीकृत पुनर्वास केन्द्र का संचालन किया जा रहा है। व्यसनियों के एकीकृत पुनर्वास केन्द्र के कार्यकर्त्ताओं के अथक प्रयास से नशीले पदार्थ के व्यसनी नशा से मुक्ति पा रहे हैं। संस्था के कार्यकर्त्ता गाँव–गाँव घुमकर गोष्ठी एवं पर्चा बाँटकर लोगों को नशीले पदार्थ के व्यसन से होने वाले समस्याओं तथा इससे निजात पाने के उपायों को बताते हैं। इस वर्ष व्यसनियों के एकीकृत पुनर्वास केन्द्र में 192 नशीले पदार्थ के व्यसनियों ने इलाज करवाया। इलाज के पश्चात् वे समाज के मुख्य धारा से जुड़कर जीवन बसर कर रहे हैं। हमारे सामाजिक कार्यकर्त्ताओं का प्रयास है कि इलाज के पश्चात् वे समाज के मुख्य धारा से जुड़ जायें। संस्था के कार्यकर्त्ताओं द्वारा क्रमशः–हुसैनाबाद (02.04.2022), सिमरजोर (09.04.2022), हरियाकुरा (16.04.2022), थानपुर (23.04.2022), वनगोडा(30.04.2022), बंका(07.05.2022), चरकीपहाड़ी(14.05.2022), मेदनीडीह(21.05.2022), कोड़ाडीह (28.05.2022), दिघी (04.06.2022), कोरधा (11.06.2022), गोडियारी (18.06.2022), अचाटो (25.06.2022), कोरिया(02.07.2022), जरका(09.07.2022), मानिकपुर(16.07.2022), हिरना(23.07.2022), धवाना (30.07.2022), जितजोरी (06.08.2022), लोहारी (13.08.2022), झारखण्डी (20.08.2022), छोटकी खरखार (27.08.2022), शिवनगर (03.09.2022), हुसैनाबाद (10.09.2022), वेजूकुरा (17.09.2022), हरियाकुरा (24.09.2022), कुसुमडीह (01.10.2022), डूमरिया (08.10.2022), रंगा मोदीचक (15.10.2022), ढाका (22.10.2022), जागाडीह (29.10.2022), घसको (05.11.2022), कमरडीहा (12.11.2022), सलैया (19.11.2022), कपसिया (26.11.2022), विश्वानी (03.12.2022), कपसीयो (10.12.2022), झीलुवा चाँदडीह (17.12.2022), लोहारी (24.12.2022), हारोकूरा (31.12.2022), भगवानपुर (07.01.2023), झुमरबाद (21.01.2023), देवी चौक (28.01.2023), झिलुआ (04.02.2023), मोरने(11.02.2023), संजीवनी केन्द्र (04.03.2023), बड़गच्छा(11.03.2023), पिपरा (18.03.2023), जोंका (25.03.3023) में जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जागरुकता कार्यक्रम के द्वारा लोगों को बताया गया कि वे अपने बच्चों पर ध्यान दें तथा सजग रहे। ऐसा न हो कि किसी असामाजिक तत्त्वों के सम्पर्क में आकर वे नशीले पदार्थ के सेवन का शिकार हो जायें। यदि बच्चों के व्यवहार में किसी प्रकार का तब्दिली दिखाई दे तो आप हमारे केन्द्र के कार्यकर्त्ता से मिलकर समस्या का हल निकालने का प्रयास करें। हम आपके साथ हैं तथा समाज एवं देश को नशा मुक्त बनाना चाहते हैं। हम आपसे से भी उम्मीद करते हैं कि आप भी हमारे अभियान को सफल बनाने में हमें तहे दिल से सहयोग करेंगे।

2) **कौशल विकास कार्यक्रम :–** वर्तमान सरकार कौशल विकास प्रशिक्षण पर ज्यादा ध्यान दे रही है जिससे बेरोजगार से रोजगार वाले बन सकते हैं साथ ही साथ अन्य बेरोजगार को भी रोजगार प्रदान कर सकते हैं। यदि हम किसी प्रकार का व्यावसायिक प्रशिक्षण प्राप्त कर अपना रोजगार शुरु करते हैं तो बेरोजगारी से निजात पाया जा सकता है। समाज के युवा वर्ग को ज्यादा से ज्यादा कौशल विकास प्रशिक्षण की ओर अग्रसर होना चाहिए। संस्था द्वारा सभी वर्गो के लिए एक कौशल विकास प्रशिक्षण केन्द्र चलाया जा रहा है। जिसमें 15 युवा एवं युवतियों को प्रशिक्षण दिया गया। इस केन्द्र में स्क्रिन प्रिंटिग, सिलाई–कटाई, ब्युटिशियन एवं कमप्युटर का प्रशिक्षण दिया जाता है। प्रशिक्षणोपरान्त वे आर्थिक लाभ प्राप्त करने का प्रयास कर रहे हैं। संस्था के कार्यकर्त्ता भी यथा सम्भव सहयोग करते हैं। वे नये–नये परियोजना से उन्हें अवगत कराकर रोजगारन्मुखी बनाने का प्रयास करते हैं। उनका प्रयास रहता है कि प्रशिक्षणोपरान्त लाभार्थी ज्यादा से ज्यादा आमदनी अर्जित करें तथा अपने परिवार का सही ढंग से भरण पोषण करें।

3) **अनुसूचित जाति/जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग के कल्याणार्थ कार्यक्रम :–** भारत के संविधान में इस वर्ग के लोगों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए आरक्षण का प्रावधान किया गया, किन्तु आज भी इन वर्गो की समस्या में सुधार नहीं हो पा रहा है। योजनाओं की जानकारी उन्हें समुचित ढंग से नहीं हो पाती है। देश की प्रगति सभी वर्गों के उन्नति पर केन्द्रित होता है यानि देश का सभी वर्ग विकास कर रहा है इसका मतलब देश प्रगतिशील हो रहा है। संस्था का प्रयास है कि वे इतना आत्मनिर्भर हो जायें। अनुसूचित जाति/जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग को सरकार द्वारा चलाए जा रहे विभिन्न प्रकार की योजनाओं की जानकारी देने के लिए एक जागरुकता शिविर का आयोजन मोहनपुर बाजार, देवघर में किया गया। जिसमें 87 ग्रामीणों ने शिरकत किया। उनके द्वारा किए विभिन्न प्रश्नों का उत्तर संस्था के कार्यकर्त्ताओं ने सुविधानुसार देने का प्रयास किया। ज्यादातर प्रश्न परियोजनाओं से संबंधित था।

4) **महिला एवं बाल कल्याण कार्यक्रमः–** डा0 धन कृष्ण मंडल के सहयोग से संस्था द्वारा रिखीया बाजार में दिनांक–19.02.2023 को स्वास्थ्य जाँच शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में 33 लोगों का स्वास्थ्य जाँच किया गया। लोगों को स्वास्थ्य जाँच के साथ–साथ आवश्यकतानुसार दवा भी मुहैया करवाया गया। बच्चों को स्वस्थ रखने हेतु उपस्थित जनसमुदाय को बच्चों को दिए जाने वाले भोजन की मात्रा के बारे में विस्तार से बताया गया जिससे बच्चे कुपोषण के शिकार न हो। साथ ही साथ महिलाओं को भी सलाह दी गयी कि वे पोषक तत्व से भरपुर भोजन किया करें। खासकर गर्भावस्था की स्थिति में पोषक तत्व से भरपुर भोजन जरुर करें जिससे कुपोषित बच्चा पैदा न हो। लोगों को सलाह दिया गया कि वे अपने परिवार को दो बच्चों तक सीमित करने का प्रयास करें।

5) **सेमिनार/कार्यशालाः–** इस वर्ष निम्नलिखित कार्यशाला/शिविर का आयोजन किया गया। सभी कार्यशाला/शिविर वर्तमान समय के ज्वंलत समस्याओं पर केन्द्रित था –

(क) **विश्व स्वपरायणता दिवस** – 2 अप्रैल 2022 को विश्व स्वपरायणता दिवस के अवसर पर संस्था द्वारा एक जागरुकता शिविर का आयोजन तिवारी चौक पर किया गया। जिसमें अभिभावक, समाजसेवी

तथा गणमान्य व्यक्तियों ने भाग लिया। उपस्थित लोगों को स्वपरायणता के कारण तथा निदान की विस्तृत जानकारी दी गयी। जिसमें 56 लोगों ने भाग लिया। संदेशात्मक पर्चा भी बाँटा गया। पोस्टर प्रदर्शनी भी लगायी गयी। हस्ताक्षर अभियान भी चलाया गया।

(ख) **वातारवण प्रदूषण** – 5 जून, 2022 को पर्यावरण दिवस के अवसर पर तपोवन, देवघर में एक शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें पर्यावरण प्रदूषण के दुष्परिणाम की विस्तृत जानकारी दी गयी। रोकथाम के विभिन्न उपायों को भी बताया गया। वातावरण प्रदूषण का प्रभाव जीवन के हर क्षेत्र में दिखाई देता है। बेमौसम बरसात हो रहा है। ग्लोवल वार्मिंग के कारण हमारा ग्लैशियर तेजी से पिघल रहा है। जिसके कारण समुद्र का जलस्तर बढ सकता है तथा समुद्री इलाके के शहर जलमग्न हो सकते हैं। लोगों ने संकल्प लिया कि 5 पेड़ जरुर लगायेंगे। जिसमें 105 छात्र, छात्राओं एवं शिक्षकों तथा गणमान्य व्यक्तियों ने भाग लिया। ऑन स्पॉट चित्रांकन प्रतियोगिता का आयोजन भी किया गया, इसमें 55 छात्र–छात्राओं ने भाग लिया। सम्मिलित प्रतिभागियों में से तीन विजयी प्रतिभागी को पुरस्कार प्रदान किया गया। साथ ही सभी प्रतिभागियों को प्रमाणपत्र दिया गया। संदेशात्मक पर्चा भी बाँटा गया।

(ग) **अन्तर्राष्ट्रीय नशीला पदार्थ रोकथाम तथा अवैध व्यापार निषेध दिवस** – संस्था द्वारा 26 जुन, 2022 को अन्तर्राष्ट्रीय नशीला पदार्थ रोकथाम तथा अवैध व्यापार निषेध दिवस के अवसर पर एक रैली निकाली गयी। जो देवघर के जलसार चिल्ड्रेन पार्क से प्रारम्भ होकर देवघर शहर के विभिन्न सड़कों (पटेल चौक, टावर चौक, राय एण्ड कम्पनी चौक, स्टेशन रोड, महिला थाना, टाउन थाना, बरनवाल धर्मशाला चौक, वी आई पी चौक, ज्योति होटल, हदहदिया पुल, तिवारी चौक) से गुजरते हुए संजीवनी केन्द्र पर समाप्त हुआ। संजीवनी केन्द्र पर एक जागरुकता बैठक की गई। रैली में भारती विद्यापीठ, ग्रीनविच उच्च विद्यलय के 122 छात्र–छात्राओं ने भाग लिया। उपस्थित समुदाय को इस दिवस की महत्ता के बारे सविस्तार बताया गया। उन्हें सजग रहने को कहा गया। जिससे समस्या से ससमय निजात पाया जा सके।

(घ) **अपारम्परिक ऊर्जा** – उर्जा जीवन का एक बहुमुल्य कड़ी बन गया है। आज के समय में जिस ऊर्जा के बारे में ज्यादा सोचा जा रहा है वह है अपारम्परिक ऊर्जा। इस शिविर का आयोजन भुत बंगला, देवघर पर दिनांक–20.09.2022 किया गया। इसमें 74 लोगों ने भाग लिया। ऊर्जा के बिना किसी कार्य का कल्पना करना भी सोच से परे है। ऊर्जा के खपत के हिसाब से ऊर्जा का उत्पादन बहुत कम हो रहा है। इस परिस्थिति में हमें ऊर्जा के अन्य स्त्रोतों जैसे पवन ऊर्जा, सौर ऊर्जा, गोबर गैस ऊर्जा पर ध्यान देना होगा इन ऊर्जाओं में सर्वश्रेष्ठ ऊर्जा है सौर ऊर्जा। जिसका खत्म होना असम्भव है तथा सबसे सुलभ भी है। हमें सर्वसुलभ सौर ऊर्जा पर पहल करना चाहिए जिससे भविष्य में अन्धकार का सामना न करना पड़े।

(ड़) **एड्स –** 1 दिसम्बर, 2022 को एड्स दिवस के अवसर पर बाजला चौक, देवघऱ पर एक जागरुकता शिविर आयोजित किया गया। उपस्थित लोगों को इस बीमारी के बारे में विस्तार से बताया गया कि ये रोग कैसे फैलता है और इससे बचने के कौन–कौन से उपाय हैं। लोगों के बीच संदेशात्मक पर्चा बाँटा गया। पोस्टर की प्रदर्शनी लगायी गयी। उपस्थित लोगों ने विश्वास दिलाया कि संस्था द्वारा चलाए जा रहे एड्स जागरूकता अभियान में हम भरपुर सहयोग करेंगे। उपस्थित लोगों का सम्मिलित विचार था कि इस समस्या से जागरुकता के द्वारा ही लड़ा जा सकता है। शिविर में 51 लोगों ने शिरकत किया। एड्स से पीड़ित को हेय दृष्टि से न देखा जाय। वे भी समाज के ही हैं।

(च) **अन्तर्राष्ट्रीय दिव्यांगता दिवस** – 3 दिसम्बर, 2022 को अन्तर्राष्ट्रीय दिव्यांगता दिवस के अवसर पर गिधनी मोड़, देवघर पर जागरुकता शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में समाजसेवी एवं अभिभावकों ने भाग लिया। उपस्थित लोगों को दिव्यांगता के बारे में विस्तृत जानकारी दी गयी। यदि हम ससमय सजग रहें तो दिव्यांगता को कम किया जा सकता है। हमें दिव्यांग बच्चों एवं व्यक्तियों को दयनीय दृष्टि से नहीं देखना चाहिए, उनमें भी प्रतिभा होती है, केवल उनकी ससमय पहचान कर समाज के मुख्य धारा में लाने की जरुरत है। साथ ही साथ किसी विशेष विद्यालय से सम्पर्क करना चाहिए। जागरुकता शिविर में 55 लोगों ने भाग लिया। संदेशात्मक पर्चा बाँटा गया। पोस्टर की प्रदर्शनी लगायी गयी। नुक्कड़ नाटक का प्रदर्शन भी किया गया।

(छ़) **विश्व डाउन सिन्ड्रोम दिवस** – 21 मार्च, 2023 को विश्व डाउन सिन्ड्रोम दिवस के अवसर पर जटाही चौक़, देवघर के पास एक जागरुकता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में 64 लोगों ने भाग लिया। जिसमें बच्चों के अभिभावक तथा गणमान्य व्यक्तियों ने भाग लिया। उपस्थित लोगों को डाउन सिन्ड्रोम के कारण तथा निदान की विस्तृत जानकारी दी गयी। यदि हम सजग रहेंगे तो दिव्यांगता को कम किया जा सकता है। हमें गर्भावस्था के दौरान अच्छे चिकित्सक से सलाह लेना चाहिए। खासकर जब पति पत्नी का उम्र ज्यादा हो या पहले से कोई दिव्यांग बच्चा पैदा लिया हो। ये एक क्रोमोजोमल कारक है। संदेशात्मक पर्चा भी बाँटा गया। पोस्टर प्रदर्शनी भी लगायी गयी। पहले से यदि डाउन सिन्ड्रोम से ग्रसित बच्चा पैदा लिया हो तो अगले बच्चे के बारे में सोचने से पहले किसी अच्छे चिकित्सक से सलाह जरुर लेना चाहिए।

संस्था उपरोक्त कार्यक्रमों के संचालन के साथ–साथ अन्य ज्वलंत समस्याओं के प्रति गहरी सोच रखती है। आवश्यकतानुसार अन्य कार्यक्रमों के माध्यम से समस्या समाधान की ओर अग्रसर रहती है तथा भविष्य में भी रहेगी।